

2486

कल/मि/ 5000/ 25 गुणल/ 100/ 2455

100Rs.



11

2410.00  
 100.00

340/ 110.25  
 13.50

460 (1000/12)

123.75

23 Dec 1957

2.50  
 3.44

127.19

श्री वशिष्ठ शर्मा  
 श्री: प्रमोद शर्मा  
 पति श्री लाल शर्मा

श्री: श्री: 24-28

16/1

9-नाम कोकर: बडरिक की देवरी-पुलाद-  
 सिंह बल्लु स्वर्गीय देवकी-  
 सिंह गान हनु चेशा गृहस्थी  
 खो मीना करीन्द्री धाका की  
 जिला गुमका। सपत-पत नं०  
 208

2-नाम कोकर काठेडां श्री मति सीरा देवी  
 गौरी की राज किशोर पुलाद-  
 नाम गान हनु चेशा  
 गृहस्थी खो मीना गुमका धाका  
 खो धाका की जिला गुमका  
 मातिय नागरिक। सपत-पत  
 नं० 208 श्री देवी

गवर्दे रानी प्रेमोत  
 धाका की-मिर्त नं०  
 खो मीना-मिर्त श्री गुमका, आका-गुमका  
 जिला-गुमका  
 9-2 10/1/57  
 96/10/26





३. किस प्रकार :- पर विक्री बाइलाकलाकी दरवाजा कारी गोन बा डिस्का

४. साधकाय रुपैया :- मोबाकित ५००० = ०० गाने पांच हजार रुपिया गाने गाने जुलाई सलका मोठो-२५ गमा पचीस गे पैये बासाली १५६५ राज दारा की गाने कायला पदाधिकारी मोबाकित गुजला के दिमा करे ।

५. साधकाय का गाने :- मबाजी ०.०५ डीलगातल गाने पांच डीलगातल गाने २३ दरवाजी गाने एरियन बाधनी बाधनी बाके गाने गुजला भाग गुजला भाग गाने ५५ गाने २६२ गाने ३ गाने गुजला गुजला कलकरी बा डिस्का रजिस्टर मोबाकित गुजला के गाने करे ।

साली ल गाने सभ विक्री बाइलाकलाकी गे गाने पाकिना के गाने करे ।

२५०० गाने गाने - ५१२०० २३०० ४ - चौरवरा २५ - २५० - २६६३ गाने ०-०५ गे गुजला गाने ५१२०० ०-०५ डीलगातल

४२-००-३५ : १५ १५१ : १५  
मबाकित ५००० रुपिया डि. ए.

मीरा देवी





मिथिला चौदही उत्तर २७३ मिथिला मगल  
दक्षिण २७३ मिथि पुरुष राउत पहिलस २७३  
मिथिलम मगल।

माते मठ कोटी नै रूपमा  
मजदुरीको कोषी कालेडा को चाले  
काल जसरी मपका के लिखा को मगीन  
मजदुरीको को चिकी चाउला काली दिमा  
को चरकालको लिखा। चाउरी को कोषी  
कालेडा मथ उने चालाक वापक कोषीकोषी  
सथ चिकी जमीन थ चरकालको डा थ  
को २६ वर गीत कोड वर मरा वर  
जिधं कथर कामकी गजदी जिधली हां परे  
खुने कोषी को नसाकको लिखा कोरे था कथा  
पञ्चा मगत बाहव बगथे कुकां रफेके चध  
दिनारी कालाके बाग कथिचा युता युता  
वारी कालाके जिध नरुह कोडे काले  
को काले को माल कोरे बांला  
विधु राउम के माली के मपके माल  
के काले काले वारे को माल काले  
थ काले काले लिखा को मथ मग  
कोषी मा चालाक मगकोषी वा खथ

मिथिला चौदही मिथिला  
वा: २६-२०-२७  
मिथिला चौदही  
२०-२६-२०-२७









वाचं सूक्ष्मं क. जनी  
 एव तस्मै पाठ-सं लाप्य  
 श्री

श्री श्री अक्षयान वंश श्री श्री श्री  
 दि: १६-१०-२४

अनादिप विद्यायाः मूलम्  
 श्रीम वेदव्याख्या मानस्युक्त्या  
 आना सं विद्या उद्योग  
 २०-१६-१०-२४

गीरा देवी